कोर शीत लहर क्षेत्र

चर्चा में क्यों?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम (NPCCHH) ने राजस्थान तथा 16 अन्य राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के लिये शीत लहर की स्थिति पर सार्वजनिक **सलाह जारी की** है।

प्रमुख बिंदु

- **शीत लहर ऋतु और मुख्य शीत लहर क्षेत्र:**
  - शीत लहर 24 घंटे के भीतर तापमान में होने वाली तीव्र गिरावट है, जो कृषि, उद्योग, वाणिज्य और सामाजिक गतिविधियों **के लिये पर्याप्त सुरक्षा की आवश्यकता उत्पन्न करती है।**
  - शीत **लहर का मौसम नवंबर से मार्च तक रहता है** तथा **दिसंबर और जनवरी में** सबसे **अधिक ठंड पड़ती है।**
- **प्रभावित क्षेत्र:**
  - तेलंगाना, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा।
- **सुभेद्य समूह:**
  - परामर्श में निम्नलिखित **जनसंख्या को विशेष रूप से जोखिमग्रस्त बताया गया है:**
    - बेघर व्यक्ति
    - बुज़ुर्ग लोग
    - आर्थिक रूप से वंचित व्यक्ति
    - गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाएँ
    - बच्चे
    - आउटडोर श्रमिक और किसान
    - रात्रि आश्रयों के प्रबंधक
- **शीत लहर की परिभाषा:**
  - भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) **के** मानकों के अनुसार :
    - **मैदानी इलाकों** में शीत लहर तब आती है जब न्यूनतम तापमान ≤10°C होता है।
    - **पहाड़ी क्षेत्रों** के लिये इसे न्यूनतम तापमान ≤0°C के रूप में परिभाषित किया गया है।
- **संभावित स्वास्थ्य समस्याएँ:**
  - हाइपोथर्मिया बहुत कम तापमान के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होता है।
  - **फ्रॉस्टबाइट** ठंडे तापमान के कारण त्वचा और ऊतकों को होने वाली क्षति है।
  - **नॉन-फ्रीजिंग कोल्ड इंजरी, इमर्शन फुट** जैसी स्थितियाँ हैं, जो लंबे समय तक ठंड और गीली स्थितियों के संपर्क में रहने के कारण उत्पन्न होती हैं।
    - गंभीर मामलों में, यदि सावधानी न बरती जाए तो ठंड के कारण मृत्यु भी हो सकती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग

- IMD की **स्थापना वर्ष 1875 में हुई थी।**
- **यह भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** की एक एजेंसी है।
- यह मौसम संबंधी अवलोकन, मौसम पूर्वानुमान और भूकंप विज्ञान के लिये ज़िम्मेदार प्रमुख एजेंसी है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/core-cold-wave-zone-1